निबंध

"उच्च शिक्षा में महिलाओ की वर्तमान स्थिति एंव शिक्षा विकास हेतू उपाय।"

रूपरेखा

(1)- प्रस्तावना
(2)- महिला शिक्षा का महत्व
(3)- शिक्षा में महिलाओ की वर्तमान स्थिति
(4)- महिला शिक्षा विकास हेतू उपाय
(5)- उंपसहार

प्रस्तावना — महिलाओ को हमेशा अपने अधिकार के लिए लडना पडता है। चाहे वह सपने हो चाहे शिक्षा प्राप्त करने की चाह या आसमान को छुने की इच्छा। पहले के जमाने में लड़कियो का पढना लिखना अच्छा नही समझा जाता था। महिलाओ को हमेशा अपने अधिकारो के लिए समाज और उसके बनाये हुए नियमो से लडना पडता है। शिक्षा पर सभी का मौलिक अधिकार है। देश के स्वंतत्रता के पश्चात महिलाओ के शिक्षा पर ज्यादा जोर दिया गया। पहले के जमाने में महिलाओ को सिर्फ घरो के काम तक सीमित रखा जाता था। आज काल के इस युग में महिलाओ के शिक्षा को ज्यादा प्राथमिकता दी जाती थी।

शिक्षा को लेकर लडका - लडकी में भेदभाव करना बेवकूफी है। आजकल महिलाएं पुरुषो के साथ हर क्षेत्र, हर पद पर कँधे से कँधा मिलाकर चल रही है। आज महिलाएँ शिक्षित है।
पायलट से लेकर, प्रिंसिपल, खेल का मैदान और स्कूल की अध्यापिका तक हर जगह महिलाओ ने अपने आप को

साबित किया है। बहुत से गाँवो में आज भी लड़कियो को शिक्षित नही किया जा रहा है। लेकिन कई गाँव से ऐसे है। जहाँ लड़कियो को स्कूल तक की शिक्षा प्राप्त करने की अनुमति रहती है।

महिला शिक्षा का महत्व → एक स्त्री शिक्षित होती है तो वह अपनी शिक्षा का उपयोग समाज और परिवार के हित के लिए करती है। एक शिक्षित स्त्री के कारण देश कि आर्थिक स्थिति और घरेलू उत्पादन में बढोतरी होती है एक शिक्षित नारी घरेलू हिंसा और अन्य अत्याचारो से सक्षमता से निजाद पा सकती है।

भारत देश में आज भी नारी को शिक्षा प्रदान करने के पीछे है। गरीबी की वजह से कई महिला लोगो को शिक्षा नही मिल पा रही है। परंतु आज हमारे देश ने शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढना आरम्भ कर दिया है।

एक सभ्य समाज का निर्माण उस देश के शिक्षित नागरिको द्वारा होता है और नारी इस कडी का एक अहम हिस्सा है।
परिवार की छोटी - छोटी ईकाईयाँ मिलाकर एक समाज का गठन करती है। एक परिवार का केंद्र बिंदु नारी होती है। यदि एक नारी शिक्षित होती है तो उसका परिवार शिक्षित होता है। और जब एक परिवार शिक्षित होता है तो पूरा राष्ट्र शिक्षित होता है।

एक महान विचारक रूसो ने कहा है — "यदि आप मुझे सौ आदर्श माताएँ देते, मैं आपको एक आदर्श राष्ट्र दूँगा।"

परिवार में शिशु की पहली अध्यापिका माँ होती है और जो प्रारंभिक शिक्षा शिशु अपने घर में ग्रहण करता है वो उसे दुनिया के किसी विद्यालय से प्राप्त नहीं हो सकता अतः मनुष्य की सर्वांगीण विकास के लिए उसे शिक्षित होना आवश्यक है और जब बात नारी की आती है। तो यह नितान्त आवश्यक हो जाती है।

शिक्षा में महिलाओं की वर्तमान स्थिति → भारत में वर्तमान महिला साक्षरता दर पुरुष साक्षरत दर से पीछे है। पूर्व में 65.6% और बाद में 81.3% है। 65.6% पर भारत की महिला शिक्षा दर विश्व औसत 79.7% से काफी कम है। ग्रामीण क्षेत्रो में स्थिति अधिक गंभीर है

सन 1950 में भारत में स्त्री साक्षरता दर मात्र 18.33 प्रतिशत थी, जो सन 2011 में बढकर 50 फीसदी से अधिक हो गई थी लेकिन यह आकड़ा भी हमे उत्साहित नहीं करता क्योंकि अभी भी यह पुरुसो की तुलना में काफी कम है।
सरकार ने महिला शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक कार्यक्रम तथा योजनाएँ चलाई है। परंतु फिर भी अपेक्षित विकास एवं सफलता हासिल नहीं हो सकी है। आज भी देश की अनेक बालिकाएँ ऐसी है जो अपने पुरे जीवनकाल में स्कूल का मुँह तक नहीं देख पाती जो बालिकाएँ किसी तरह स्कूल पहुँच जाती है वे आगे की पढाई जारी नहीं रख पाती और बहुत कम महिलाएँ विश्वविद्यालय पहुंच पाती है। इसका मुख्य कारण भारतीय समाज की महिलाओ के प्रति दोयम दर्जे की मानसिकता छिपा है क्योंकि भारतीय समाज आज भी कन्या को पराया धन मानता है। और उसे बोझ समझते हुए उसके प्रति विवाह तक ही अपनी जिम्मेदारी समझता है।

महिला शिक्षा विकास हेतु उपाय — भारत में महिला शिक्षा को बढावा देने के लिए भारत के सरकार ने अनेको प्रयास किये है।

महिला शिक्षा हेतु सरकार के प्रयास — इसके तहत कन्या भ्रूण हत्या रोकने, स्कूलो में लड़कियो की संख्या बढ़ाने, स्कूल छोडने वालो की संख्या काम करने, शिक्षा के अधिकार के नियमो को लागू करने और लडकियो के लिए शौचालय के निर्माण में वृद्धि करने जैसे उपदेश्य निर्धारित किये गए है।

शिक्षित महिला हि समाज के उत्थान में अपना पूर्ण योगदान से सकती है। महिलाओ को इसके लिए स्वयं आगे आना पडेगा, कालेज की तरफ से छात्राओ को शिक्षित करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाता है। गाँवो में रैलियाँ निकालकर महिला शिक्षा के प्रति जागरुक किया जाये।

भारत सरकार भी अनेक ऐसी योजनाए ले कर है जो नारी शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है जैसे " बेटी बचाओ बेटी बढ़ाओ योजना", कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना, राष्ट्रीय प्रोत्साहन योजना इत्यादि।

उपसंहार — जब एक नारी शिक्षित है तो हमारा समाज भी आगे बढ सकता है। नेल्सन मंडेला ने कहा था की दुनिया को बदलने के लिए शिक्षा सबसे बडा औजार है।

भारत जैसे देश में अब सिर्फ लडको को ही शिक्षा का हक नही बल्कि लडकियो को भी शिक्षा का अधिकार है।

शिक्षा से लड़कियों और महिलाओं को अधिक ज्ञान, कौशल आत्मविश्वास और क्षमता प्राप्त होती है जिससे वे खुद की जीवन संभावनाएँ बेहतर होती है। जब महिलाओं को शिक्षित किया जाता है और उन्हे शिक्षा स्वतंत्रता होती है तब गरीबी की जंजीरो को तोड़ा जा सकता है परिवार को मजबूत किया जा सकता है।

इसलिए महिलाओं को शिक्षा मिलना जरुरी है, महिलाओं का विकास होना आवश्यक है देश के विकास के लिए।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:

अर्थात → जहाँ नारी की पूजा जाता है वहाँ देवता का निवास होता है।